कक्षा - षष्ठ

हिन्दी प्रथम पत्र

पाठ - 1

भाषा और व्याकरण

1.**भाषा किसे कहते हैं? भाषा के कितने रुप हैं?प्रत्येक रूपों की परिभाषा उदाहरणसहित दें ?**

उत्तर- भाषा वह साधन है, जिसकी सहायता से मनुष्य अपने मन के भावों और विचारों को प्रकट करता है तथा दूसरों के मन के भावों और विचारों को समझता है ।

भाषा के मूलत: दो रूप प्रचलित हैं

1.) **मौखिक भाषा** - जब हम बोलकर अपने विचार व्यक्त करते हैं तथा दूसरा व्यक्ति सुनकर समझता है, तो भाषा के इस रूप को मौखिक भाषा कहते हैं, जैसे - निखिल बोलकर अपने मित्र को कुछ बता रहा है।

2.)**लिखित भाषा** - जब हम लिखकर अपने विचार व्यक्त करते हैं तथा दूसरा व्यक्ति पढ़कर समझता है, तो भाषा के इस रूप को लिखित भाषा कहते हैं, जैसे- पीयुष पत्र लिखकर अपनी बात बता रहा है ।

2. **व्याकरण किसे कहते हैं? व्याकरण के मुख्यत: कितने अंग होते हैं, स्पष्ट कीजिए?**

उत्तर- प्रत्येक भाषा की अपनी व्यवस्था होती है और उसके अपने नियम होते हैं। भाषा की इस व्यवस्था और नियमों को ही व्याकरण कहते हैं।

व्याकरण के मुख्यत: चार अंग होते हैं-

क**) वर्ण विचार** - इन अंगों में वर्णों के स्वरूप, भेद एवं प्रकार आदि के बारे में विचार किया जाता है ।

ख) **शब्द विचार** - इस अंग में शब्दों के स्वरूप, भेद, प्रकार, लिंग, एवं वचन आदि के बारे में विचार किया जाता है।

ग) **वाक्य विचार**- इस विभाग में वाक्य भेद, विराम-चिह्न आदि के बारे में विचार किया जाता है।

घ) **पद विचार** - इसके अंतगर्त संज्ञा,सर्वनाम आदि पदों के स्वरूप तथा प्रयोग पर विचार किया जाता है।

पाठ - 4

शब्द - विचार

1.उत्पत्ति के आधार पर शब्द के कितने भेद होते हैं? प्रत्येक भेदों की परिभाषा उदाहरणसहित लिखें?

उत्तर- उत्पत्ति के आधार पर शब्द के चार भेद हैं-

क.) तत्सम - जो शब्द संस्कृत भाषा से हिन्दी में बिना किसी परिवर्तन के लिए गए हैं,उन्हें तत्सम शब्द कहते हैं, जैसे- सूर्य, गृह, आदि।

ख.) **तद्भव** -संस्कृत के जो शब्द कुछ रूप परिवर्तन के साथ हिन्दी में प्रचलित हैं, उन्हें तद्भव शब्द कहते हैं।

ग.) **देशज** - जो शब्द भारत की विभिन्न बोलियों और भाषाओं से हिन्दी में आ गए हैं,उन्हें देशज शब्द कहते हैं, जैसे- अंग्रेजी भाषा से - मोबाइल, पेट्रोल,स्कूल आदि।

2.**) रचना के आधार पर शब्द के कितने भेद होते हैं? प्रत्येक भेदों की परिभाषा लिखकर उदाहरण भी दें?**

उत्तर- रचना के आधार पर शब्दों को तीन भागों में बाँटा जाता है-

क.) रूढ़ शब्द - ऐसे शब्द जो हिन्दी भाषा में विशेष अर्थ के साथ परम्परा से प्रयुक्त होते आ रहे हैं और जिनके टुकड़े करने पर उनका कोई अर्थ नहीं रह जाता, वे रूढ़ शब्द कहलाते हैं, जैसे- घर,आज, आदि।

ख.) यौगिक शब्द- दो या दो से अधिक शब्दों या शब्दाशों के मेल से बनने वे शब्द, यौगिक शब्द कहलाते हैं, जैसे- पुस्तकालय (पुस्तक +आलय), धर्मशाला (धर्म

+शाला) आदि।

ग.)**योगरूढ़ शब्द** -अधिक शब्दों या शब्दाशों के मेल से बने वे शब्द,जिनके सार्थक टुकड़े किए जा सकते हैं और जो किसी विशेष अर्थ का बोध कराते हैं, योगरूढ़ शब्द कहलाते हैं, जैसे- जलज (कमल), दशानन (रावण) आदि।

3.)**प्रयोग के आधार पर शब्द के कितने भेद हैं? प्रत्येक भेदों की परिभाषा उदाहरणसहित दें?**

उत्तर- प्रयोग के आधार पर शब्द के दो भेद हैं-

क.) विकारी शब्द - ऐसे शब्द जिनका रूप लिंग, वचन, कारक, काल, आदि के कारण बदल जाता है अर्थात जिनके रूप में विकार या परिवर्त्तन होता है, वे विकारी शब्द कहलाते हैं, जैसे- लड़का, लड़के,मैं,मेरा आदि।

ख.) अविकारी शब्द - जिन शब्दों के रूप में लिंग, वचन, कारक, काल, आदि किसी भी कारण से विकार या परिवर्त्तन नहीं आता, वे अविकारी शब्द कहलाते हैं, जैसे- सीता एकाएक चली गई आदि ।

अर्थ के आधार पर शब्द के कितने भेद होते हैं? प्रत्येक भेदों की परिभाषा देते हुए उदाहरण भी दें?

उत्तर- अर्थ के आधार पर शब्दों के मुख्य रूप से छः भेद हैं -

क.) एकार्थी शब्द - जिन शब्दों का प्रयोग प्राय: एक ही अर्थ में किया जाता है, उन्हें एकार्थी शब्द कहा जाता है, जैसे - कलम, पत्नी आदि।

ख.) अनेकार्थी शब्द - जिन शब्दों के एक से अधिक अर्थ होते हैं, उन्हें अनेकार्थी शब्द कहा जाता है, जैसे- **<u>शब्द</u>** **<u>अर्थ</u>**

गुरू शिक्षक , भारी ।

ग.) पर्यायवाची शब्द - जिन शब्दों के समान अर्थ होते हैं, उन्हें पर्यायवाची शब्द कहते हैं, जैसे - **<u>शब्द</u>** **<u>पर्यायवाची शब्द</u>**

कमल पंकज, नीरज, सरोज ।

घ.) विलोम शब्द - एक दूसरे का उल्टा या विपरीत अर्थ देने वाले शब्दों को विलोम शब्द कहा जाता है, जैसे - **<u>शब्द</u>** **<u>विलोम</u>**

मित्रता शत्रुता ।

हानि लाभ ।

ड़) श्रुतिसमभिन्नार्थक शब्द - जिन शब्दों का उच्चारण लगभग समान हो परन्तु अर्थ भिन्न- भिन्न हो, उन्हें श्रुतिसमभिन्नार्थक शब्द कहते हैं,

जैसे - **<u>शब्द</u>** **<u>भिन्न अर्थ</u>**

तरणि सूर्य ।

तरणी नौका ।